चार वर्षीय पाठ्यक्रम के मुद्दे पर एनएसयूआइ तटस्थ

- एबीवीपी व वामपंथी संगठन चार वर्षीय कोर्स का कर रहे हैं विरोध
- नामों की घोषणा होते ही संगठनों ने एक-दूसरे के खिलाफ खोला मोर्चा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव में प्रत्याशियों के नामों की घोषणा के बाद ही संगठनों ने एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआइ) और वामपंथी संगठन चुनाव में जीत के लिए दावेदारी ठोकने में लगे हुए हैं।

जहां अन्य छात्र संघ डीयू में नए सत्र में शुरू हुए चार वर्षीय पाठ्यक्रम का एक स्वर में विरोध कर रहे हैं और इसे मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं एनएसयूआइ इस मामले पर तटस्थ बनी हुई है। इस बारे में एनएसयूआइ के अध्यक्ष रोहित चौधरी का कहना है कि पाठ्यक्रम के लिए न हमारा विरोध है और न ही समर्थन। जो छात्रों की राय होगी, उसका समर्थन करेंगे। शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में रोहित चौधरी ने कहा कि संगठन छात्रों की प्रतिभा को शुरू से ही प्रोत्साहन देता रहा है। इसके लिए पूरे वर्ष सांस्कृतिक आयोजनों के अलावा शैक्षणिक गतिविधियों में भी छात्रों को जोड़कर सम्मानित किया गया है। छात्रों का इससे मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि चुनाव में एनएसयूआइ हॉस्टल की समस्या सहित नार्थ कैंपस और साउथ कैंपस में यातायात के मुद्दे को भी प्रमुखता से तैयारी कर रहा है।

कार्टून से व्यक्तिगत हमले की तैयारी

डूसू चुनाव में जीत के लिए एनएसयूआइ जीत के लिए कोई भी मौका चूकना नहीं चाहती। इसलिए एबीवीपी के प्रत्याशी पर व्यक्तिगत हमले की तैयारी में है। दरअसल, एबीवीपी के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अमन अवाना शादीशुदा हैं और एनएसयूआइ इसे भी मुद्दा बनाना चाहती है। वह इसको कार्टून के जरिए उठाने की तैयारी में है। एनएसयूआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक कार्टून बनाएंगे, जिसमें अध्यक्ष पद का प्रत्याशी दो बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रहा है। वह बच्चों से कह रहा है, तुम जल्दी-जल्दी चलो क्योंकि मुझे डीयू भी जाना है।

पुलिस लाइन में होगी डूसू चुनाव की मतगणना

जासं, नई दिल्ली : डूसू चुनाव की मतगणना दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए पिछले कुछ वर्षों से एक बड़ी मुसीबत बनी हुई है। क्योंकि जैसे ही चुनाव का परिणाम आता है, वैसे ही छात्र संगठन के समर्थकों के बीच मारपीट होने लगती है। हालात को संभालने में पुलिस को भी मशक्कत करनी पड़ती है।

डीयू प्रशासन ने इस मुसीबत से इस वर्ष बचना चाहता है, इसलिए चुनाव मतगणना पुलिस लाइन में कराने का फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक, लगातार मारपीट और असलहों की बरामदगी के बाद दिल्ली पुलिस ने अपने हाथ खड़े कर दिए हैं। इसलिए प्रशासन ने पुलिस लाइन में मतगणना कराने का फैसला किया है। बता दें कि पिछले वर्ष के चुनाव में परिणाम आने के बाद एबीवीपी के छात्र नेता के साथ मारपीट हुई थी। जिसके बाद काफी तोड़फोड़ किया गया था।

> "मतगणना के लिए पुलिस लाइन सुरक्षित है। हम इसे डीयू के कांफ्रेस सेंटर में करा सकते थे। लेकिन पिछले बार के अनुभवों को देखते हुए 14 सिंतबर को मतगणना यहां कराने का फैसला लिया।
> – अशोक वोहरा, चुनाव अधिकारी, डीयू

मरीजों के बेहतर इलाज के लिए तकनीक पर जोर

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : असाध्य रोगों के इलाज के लिए रोजाना देश-दुनिया के हजारों मरीज एम्स आते हैं। इसके बावजूद ट्रॉमा सेंटर के ओपीडी में लंबी कतारें कम ही लग पाती हैं। इस व्यवस्था में ट्रॉमा सेंटर द्वारा चलाए जा रहे कॉल सेंटर की बड़ी भूमिका है। कॉल सेंटर एक्जीक्यूटिव मरीज को फोन करके अप्वाइंटमेंट का दिन और समय बता देते हैं, ताकि मरीज तयशुदा वक्त पर ही आयें। सोसाइटी ऑफ कॉस्ट इफैक्टिव यूज ऑफ टेक्नोलॉजी इन हेल्थकेयर के पहले वार्षिक सम्मेलन के दौरान इस तरह की पहल अस्पताल के अन्य विभागों में भी शुरू करने पर चर्चा में की गई। एम्स के मुख्य सभागार में चल रहा यह सम्मेलन का रविवार को संपन्न हो जाएगा।

कम लागत में बेहतर सुविधाएं देने में तकनीक अहम भूमिका निभा सकती है। देश-विदेश में चिकित्सा क्षेत्र में कॉस्ट इफैक्टिव तकनीक के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है।

दिल्ली हाई कोर्ट बम विस्फोट में मारे गए लोगो की दूसरी बरसी पर हवन करते पीड़ित परिजन। जागरण

बम विस्फोट में मारे गए परिजनों को किया याद

जासं, नई दिल्ली : दिल्ली हाइकोर्ट के बाहर 7 सितंबर 2011 को हुए बम विस्फोट में मारे गए परिजनों की याद में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन हाइकोर्ट के बाहर किया गया। इसमें नम आंखों से अपने परिजनों को लोगों ने याद किया। इस सर्वधर्म सभा का आयोजन साउथ एशियन फोरम पीपुल्स अगेंस्ट फोरम के तत्वावधान में किया गया।फोरम के अध्यक्ष अशोक रंधावा ने बताया कि हम हर साल बम विस्फोट में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हैं। क्योंकि मुआवजा देने से दु:ख कम नहीं हो जाता।

६६हम ऐसे आयोजन कर लोगों के दुख दर्द बांटते हैं। इस सर्वधर्म सभा में गुरुद्वारे के ग्रंथी सरदार भाई रणवीर सिंह, सूफी शब्बीर, पं दयानंद शुक्ला तथा फादर निर्मल डेविड ने प्रार्थना की तथा हवन किया।

पूर्व थानाध्यक्ष के खिलाफ मामला दर्ज

जासं, पूर्वी दिल्ली : शाहदरा थाने के पूर्व थानाध्यक्ष विक्रम सिंह राणा के खिलाफ शाहदरा थाने में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह मामला दिल्ली पुलिस की सतर्कता शाखा के निर्देश पर दर्ज किया गया है। मामले की जांच सतर्कता शाखा ही कर रही है। पिछले दिनों शिकायत मिलने के बाद तत्कालीन थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर कर दिया गया था। अब मामला दर्ज होने के बाद निलंबन की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।
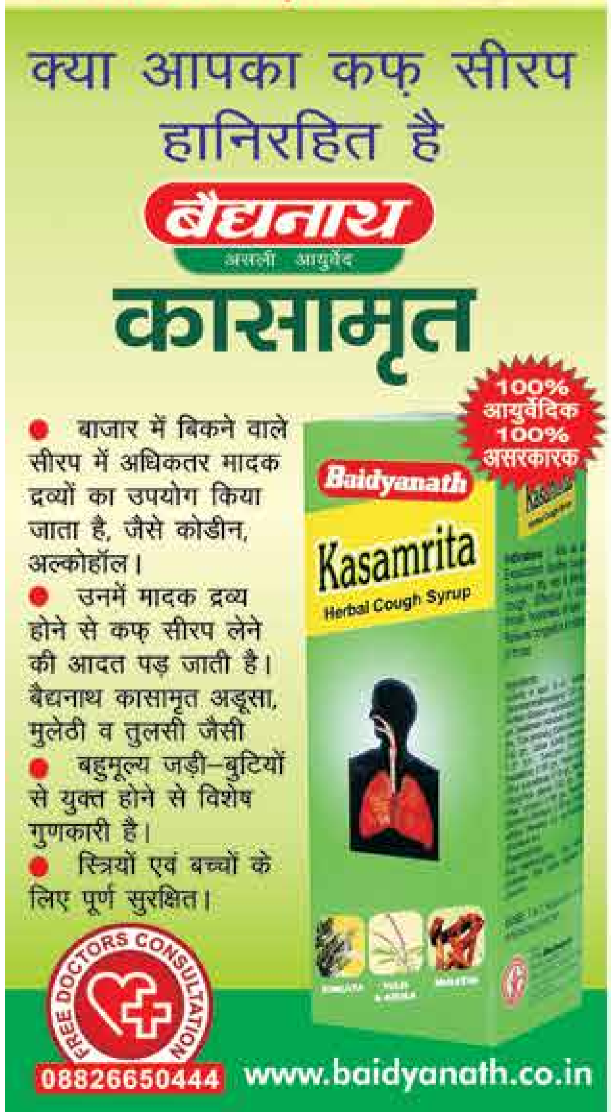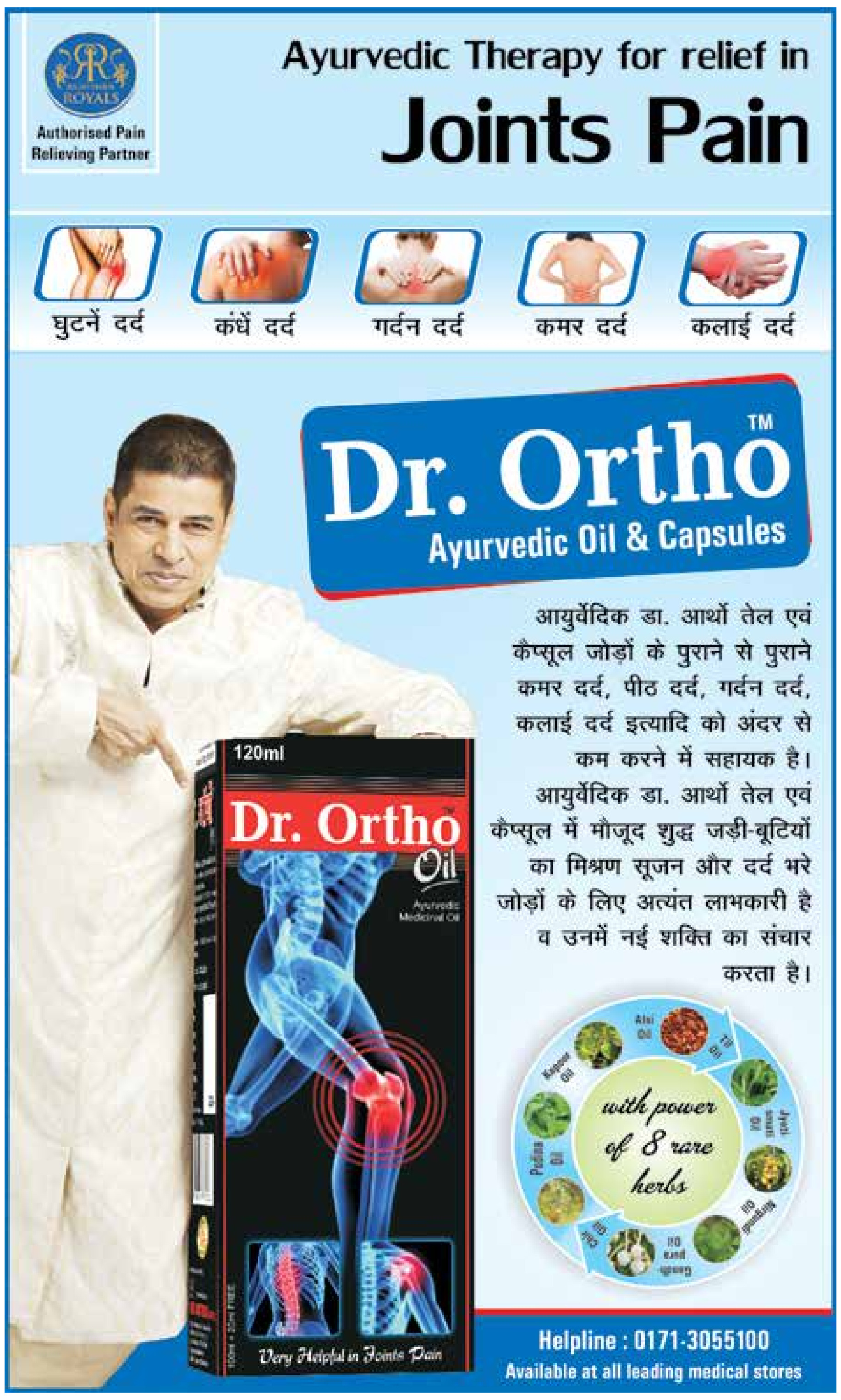
शाहदरा के बिल्डर जोगेंदर सिंह ने पिछले दिनों पुलिस आयुक्त से शिकायत की थी कि शाहदरा के तत्कालीन थानाध्यक्ष उससे रिश्वत मांग रहे हैं। शिकायत के साथ एक वीडियो सीडी भी पुलिस आयुक्त को भेजी गई थी। हालांकि सीडी में रिश्वत लेते नहीं दिखाया गया है। इस मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त की ओर से सतर्कता विभाग को सौंप दी गई थी। सतर्कता जांच के आदेश होते ही जिला पुलिस उपायुक्त ने थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर कर दिया गया था। जांच के बाद विजिलेंस ने इस बारे में शनिवार को इंस्पेक्टर विक्रम सिंह राणा के खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश दिए।